विचार मासिक पत्रिका

कुल पृष्ठ 16, वर्ष 5, अंक 58 | माह - अक्टूबर, 2023, मूल्य : निःशुल्क

पर्यावरण -
मंगलगिरी में वृक्षों पर रक्षासूत्र बांधकर मनाया पांचवा वृक्षाबंधन

अभियान -
घुमन्तू एवं अर्द्धघुमन्तू परिवारों के बीच विमुक्त दिवस मनाया गया

जागरूकता -
नारी शक्ति वंदन अधिनियम की जानकारी समिति से जुड़ी महिलाओं को दी

वृक्षाबंधन करते हुए वृक्षमित्र

पदाधिकारी

कपिल मलैया
संस्थापक अध्यक्ष

सुनीता अरिहंत
कार्यकारी अध्यक्ष

सौरभ रांधेलिया
उपाध्यक्ष

आकांक्षा मलैया
सचिव

विनय मलैया
कोषाध्यक्ष

नितिन पटैरिया
मुख्य संगठक

अखिलेश समैया
मीडिया प्रभारी

हरगोविंद विश्व
मार्गदर्शक

राजेश सिंघई
मार्गदर्शक

श्रीयाँश जैन
मार्गदर्शक

अनिल अवस्थी
मार्गदर्शक

गुलज़ारी लाल जैन
मार्गदर्शक

अर्चना रांधेलिया
मार्गदर्शक

अंशुल भार्गव
मार्गदर्शक

डॉ. स्वप्निल बी. मंत्री
मार्गदर्शक

पांच वर्षों के प्रयास से बंजर भूमि भी उपजाऊ बन गई, 11000 से अधिक वृक्ष लहलहा रहे : कपिल मलैया

विचार समिति ने मंगलगिरी में पेड़ों पर रक्षासूत्र बांधकर मनाया पांचवा वृक्षाबंधन

पहाड़ी क्षेत्र मंगलगिरी में 11000 से अधिक पेड़ ऐसे लहलहा रहे हैं।

विचार समिति ने मंगलगिरी में पांचवी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एवं रक्षाबंधन के पावन पर्व पर पेड़ों पर रक्षासूत्र बांधकर वृक्षाबंधन किया। समिति ने वृक्षारोपण अभियान की शुरूआत पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में 18 अगस्त 2018 को पहाड़ी क्षेत्र मंगलगिरी में 5000 पेड़ लगाकर की थी जिसमें वृक्षारोपण करने वाले वृक्ष मित्रों, परिवार के सदस्य एवं स्मृति स्वरूप स्वर्गवासी लोगों के नाम की स्मृति में पौधे रोपित किए गए थे, जिनके नाम की पट्टिका भी लगाई गई थी। प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर 18 अगस्त 2019 को 2500 पौधे लगाए गए थे। 26 जून 2021 को स्व. श्रीमति आशारानी मलैया की स्मृति में मियावाकी पद्धति द्वारा 1500 पौधे लगाए थे। कई संस्थाओं द्वारा विभिन्न आयोजनों के माध्यम से 2000 से अधिक पेड़ लगाये है अब वर्तमान में 11000 से अधिक वृक्ष लहलहा रहे हैं जिनकी देखरेख समिति स्वयं करती है।

समिति के अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि मंगलगिरी में पेड़ लगाने का उद्देश्य शहरों में घटते पेड़ों की कमी को दूर करना है। प्लांटेशन में पौधे तो लगाए जाते हैं लेकिन उनकी देखरेख नहीं की जाती जिससे वह मर जाते हैं। मंगलगिरी पूरा पहाड़ है इसके आसपास एक भी पेड़ नहीं था लेकिन लगातार पांच वर्षों के प्रयास से यह जंगल बनाया गया है। यह जंगल प्राकृतिक सिद्धांतों पर बनाया गया है। जिसमें जैविक जीवामृत का उपयोग किया गया है। साढ़े चार हजार लीटर जीवामृत एक टैंकर में बनाया जाता है जो हर माह में दो बार डाला जाता है। उस जीवामृत का कमाल यह हुआ कि यह बंजर भूमि आज उपजाऊ बन गई। पूरे समय यहां पर समिति की चार से पांच लोगों की टीम कार्य करती है। कुछ पौधे जो यहां लगाए गए हैं वह शहर में मिलते तक नहीं है।

नीम के 50 हजार पौधे तैयार किए जा रहे हैं, मंगलगिरी में 154 किस्म से अधिक पेड़ लगे हुए हैं

मंगलगिरी में पेड़ों पर रक्षा सूत्र बांधकर वृक्षाबंधन मनाते वृक्षमित्र।

इसके अलावा नीम के 50 हजार पौधे भी तैयार किए जा रहे हैं। यहां पर 154 किस्म से ज्यादा के पेड़ लगे हुए हैं। मार्गदर्शक श्रीयांश जैन ने मंगलगिरी में मियावाकी पद्धति से लगाए गए पेड़ों के बारे में बताया कि इस पद्धति से किसी भी कालोनी में थोड़ी जगह में पेड़ लगाये जा सकते हैं जिससे उस कालोनी में एक आक्सीजन बैंक तैयार हो जाता है। मंगलगिरी में इस पद्धति से लगाए गए पेड़ दो वर्ष में ही 25-30 फुट के हो गए। इतना सघन जंगल बन गया है कि इसके अंदर जाने से ऐसा लगता है जैसे किसी घने जंगल में आ गए हों। यहां पर 28 किस्म के पेड़ लगे हुए हैं। इस तरह का मियावाकी शहर में अलग-अलग जगह बनाएं। पांच से 10 हजार स्केवर फुट में बन जाता है। इसमें तीन साल तक रखरखाव की भी आवश्यकता नहीं पड़ती। जानकारी के लिए विचार समिति कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि कुछ लोग पेड़ों को काटने, धरती पर वनों को खत्म करने और प्रदूषण के स्तर को बढ़ाने के बारे में नहीं सोचते। दूसरी तरफ ऐसे लोग भी हैं जो पर्यावरण के बारे में ध्यान रखते हैं और नि: स्वार्थ भाव से काम कर रहे हैं। वे पर्यावरण को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने के लिए पेड़ों का रोपण, जल निकायों और अन्य गतिविधियों की सफाई में शामिल हैं। मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने कहा कि कोरोनाकाल ने पूरे विश्व को ऑक्सीजन का महत्व सिखाया। अगर हम वास्तव में जीवित रहना चाहते हैं और अच्छे जीवनयापन करना चाहते हैं तो अधिक से अधिक पेड़ लगाए जाने चाहिए। मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया ने कहा कि समिति प्रति वर्ष वर्षा ऋतु में विशेष अभियान चलाकर लोंगो को आमंत्रित कर सभी को इन वृक्षों के बीच ले आती है।

वृक्षाबंधन में रोटरी क्लब, विधिक सेवा प्राधिकरण, अलायंस क्लब, अखिल भारतीय जैन महिला परिषद, गोला पूरब महासभा, धर्म रक्षा संगठन, राह फाउंडेशन, सीआरएस, जैन भ्रात संघ आदि समितियों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

निताई प्ले स्कूल ग्राम मनेसिया में शिक्षक दिवस मनाया गया

विचार समिति द्वारा संचालित निताई प्ले स्कूल ग्राम मनेसिया में शिक्षक दिवस मनाया गया जिसमें समिति अध्यक्ष कपिल मलैया के मार्गदर्शन में कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने विद्यालय की शिक्षिकाओं का शाल, श्रीफल एवं माला पहनाकर सम्मान किया गया । प्राचार्य साक्षी दांगी ने शिक्षक दिवस की जानकारी बच्चों को दी। इस अवसर पर बच्चों ने भी शिक्षकों का श्रीफल से सम्मान किया। विद्यालय के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई जिसमें विद्यालय की छात्रा भूमिका, गौरवी, श्रेया द्वारा नृत्य की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में रागनी राय, खुशबू चढ़ार आदि शिक्षिकाएं उपस्थित थीं।

कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने विद्यालय की शिक्षिकाओं का शाल, श्रीफल एवं माला पहनाकर सम्मान किया गया ।

विचार समिति एवं लीफी द्वारा संचालित स्कूलों में भी शिक्षक दिवस मनाया गया जिसमें शिक्षकों का सम्मान किया।

विचार समिति द्वारा संचालित निताई प्ले स्कूल ग्राम मनेसिया में जन्माष्टमी मनाई

विचार समिति द्वारा संचालित निताई प्ले स्कूल ग्राम मनेसिया में जन्माष्टमी मनाई गई। इस उपलक्ष्य में अन्य प्रतियोगिताओं में बच्चों ने मनोरम झांकियां प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि भारतीय संस्कृति में त्योहारों का बड़ा महत्व होता है। इसलिए सभी त्योहारों को मिल जुलकर मनाना चाहिए। प्राचार्य साक्षी दांगी ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्म भारतीय ही नहीं बल्कि समस्त संसार के प्राणियों के प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम में रागनी राय, खुशबू चढ़ार आदि शिक्षिकाएं उपस्थित थीं।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पास होने पर विचार समिति मोहल्ला विकास की महिलाओं ने खुशी मनाई

विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया महिलाओं को जानकारी देते हुए।

लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33% सीटें देने वाला महिला आरक्षण विधेयक (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) दोनों सदनों में पारित हुआ। इस उपलक्ष्य में विचार समिति द्वारा संचालित मोहल्ला विकास योजना के परिवारों में खुशी मनाई गई और जगह-जगह महिला सम्मेलन का आयोजन हुआ। विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने इस विधेयक की जानकारी देते हुए बताया कि इसके लागू होने के बाद महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं में 33% आरक्षण मिलेगा। नारी शक्ति का प्रतिनिधित्व और मजबूत होगा, वहीं इनके सशक्तिकरण के एक नए युग की शुरुआत होगी । महिलाओं को उनके अधिकारों और राजनीति में भागीदारी के महत्त्व के विषय में जागरूकता पैदा करना आवश्यक है। शैक्षिक कार्यक्रम तथा जागरूकता अभियान महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। कार्यक्रम में समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने सभी महिलाओं को कहा कि आज महिलाएं हर जगह कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं नारी शक्ति वंदन अधिनियम से नई दिशा मिलेगी। ऐसे में भारतीय लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था संसद में महिलाओं को आरक्षण देकर न केवल उन्हें उनका उचित अधिकार मिला बल्कि यह उनके योगदानों के बदले में उनको दिया जाने वाला सबसे बड़ा सम्मान है । इस कार्यक्रम में समन्वयक आशा साहू, रचना पटैल तिलकगंज वार्ड, दीप्ति पटैल सदर, मंजू रैकवार गंगा मंदिर रानीपुरा, अंजना पटैल राजीवनगर पटैल मंदिर, ममता अहिरवार तुलसीनगर वार्ड, मीना पटेल सेमरा बाग में किये गए 300 से अधिक महिलाये उपस्थित रहीं।

बीएमसी एवं श्री इमली वाले राजा भगवान गणेश की महाआरती में शामिल हुए कपिल मलैया

विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया बीएमसी में भगवान गणेश की आरती करते हुए।

देश भर में गणेश चतुर्थी का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस पावन पर्व के अवसर पर गणेश समिति सौजन्य के आमंत्रण पर विचार समिति अध्यक्ष अपनी टीम के साथ बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज एवं श्री इमली वाले राजा भगवान गणेश की महाआरती में शामिल हुए। महाआरती में विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने भगवान गणेश की आरती कर आर्शीवाद लिया। इस अवसर पर डॉ. उमेश ने विचार समिति का स्वागत किया एवं कहा समिति द्वारा बीएमसी परिसर में वृक्षारोपण एवं जिस समय किसी चीज की आवश्यकता पड़ी है विचार समिति ने पूर्ण किया है। यह भुलाया नहीं जा सकता कि कोरोना के दौरान विचार समिति द्वारा मरीजों की मदद के लिए हेल्प डेक द्वारा मदद की थी। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा मुझे बहुत ख़ुशी हो रही है। हमारी पूरी टीम बहुत ही उत्साहित थी। उन्होंने डॉ. उमेश को शुभकानायें दीं और कहा कि वे बीएमसी में सांस्कृतिक गतिविधियों को कराते रहते हैं। जीवन में सांस्कृतिक गतिविधियां होने से पूरा जीवन आनंदमय बना रहता है। भगवान गणेश ही सर्वोच्च चेतना हैं जो सर्वव्यापी है और इस सृष्टि में एक व्यवस्था स्थापित करते है।

इस पावन अवसर पर विचार टीम के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विचार समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, राहुल अहिरवार, अभिषेक, सोनू नामदेव, भाग्यश्री राय, पूजा प्रजापति, ज्योति रैकवार, उमा पटेल, आकांक्षा, गणेश उत्सव समिति अध्यक्ष आशीष जाटव, राजेश कुशवाहा ओमकार अहिरवार, सोनू खरे, राजा श्रीवास्तव, रवी चंदेल, अमित तंतवाय, विक्की जैन, जगदीश पटेल, अनुज ठाकुर, गोविन्द अहिरवार के साथ बहुत संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

स्वावलंबी भारत अभियान के अंतर्गत

ग्राम बेरखेड़ी में घुमन्तू और अर्द्धघुमन्तू परिवारों के बीच विमुक्त दिवस मनाया गया

स्वावलंबी भारत अभियान प्रांत टोली सदस्य कपिल मलैया ने विमुक्त दिवस घुमन्तू और अर्द्धघुमन्तू परिवारों के बीच मनाया।

स्वावलंबी भारत अभियान के अंतर्गत ग्राम सड़क बेरखेड़ी में घुमन्तू और अर्द्धघुमन्तू परिवारों के बीच विमुक्त दिवस मनाया गया। स्वावलंबी भारत अभियान प्रांत टोली सदस्य कपिल मलैया ने विमुक्त दिवस की ऐतिहासिकता के संबंध बताते हुये कहा अंग्रेज हुकूमत से जुड़ा हुआ है। 15 अगस्त 1947 को देश आजाद हो गया था लेकिन देश में 193 ऐसी जातियां हैं जिन्हें 5 साल 16 दिन बाद 31 अगस्त 1952 में आजादी मिल सकी थीं। वे आजाद देश में गुलामी भरा जीवन जीने को मजबूर थे। वे 31 अगस्त को विमुक्त दिवस के रूप मे मनाते हैं। विमुक्त जातियों को पांच साल बाद आजादी मिलने के पीछे मुख्य कारण अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आंदोलनकारियों को विमुक्त जातियों के लोग खाद्य सामग्री के साथ अस्त्र शस्त्र पहुंचाते थे। 1871 में विमुक्त जातियों के खिलाफ क्रिमिनल ट्राइब एक्ट बनाकर इन्हें आपराधिक जाति घोषित कर दिया। अंग्रेजी हुकूमत ने 1924 में इस कानून को और अधिक कठोर बनाते हुए इसकी जद में 12 साल के बच्चों तक को भी शामिल कर लिया। इनकी पहचान के लिए अंग्रेजी हुकूमत द्वारा इनके माथे पर सिक्का गरम कर चिपका दिया जाता था, ताकि सभी इन्हें क्रिमिनल की नजरों से देखकर इनके साथ अछूता व्यवहार करें। भारत सरकार ने 31 अगस्त 1952 को अंग्रेजों द्वारा बनाए गए काले कानून क्रिमिनल ट्राइब एक्ट को समाप्त कर इन जातियों को विमुक्त कर आजाद किया था। विमुक्त जातियों के विकास के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। जिससे इस समुदाय के लोग लाभांवित हो सकें। सरकार के समक्ष इन जातियों के आर्थिक, शिक्षा एवं सामाजिक बदलाव के लिए मजबूती के साथ बात कार्य किया जा रहा है। जिससे यह सभी जातियां सशक्त हो सकें।

उन्होंने कहा कि विमुक्त, घुमन्तू एवं अर्द्धघुमन्तू जनजाति समुदाय के उत्थान के लिए राज्य सरकार द्वारा निरन्तर कदम उठाए जा रहे हैं। विमुक्त विभाग से सपना चौरसिया ने शासकीय योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि मप्र शासन द्वारा विमुक्त घुमक्कड़ एवं अर्ध घुमक्कड़ जाति के अंतर्गत आने वाले युवक-युवतियों को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए ऋण उपलब्ध कराया जाता है। योजना के तहत स्वरोजगार स्थापित करने के लिए अधिकतम 1 लाख रुपए तक का ऋण दिया जाता है। योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक के पास मप्र का मूल निवास प्रमाण पत्र, विमुक्त घुमक्कड़ एवं अर्ध घुमक्कड़ जाति का प्रमाण पत्र, आयु 18 से 50 वर्ष के बीच हो, हितग्राही द्वारा पूर्व में किसी बैंक से ऋण या इस योजना का लाभ नहीं उठाया हो। इस अवसर पर राजकुमार सिंह सुमरेड़ी, डॉ मनोज सैनी जिला संयोजक, सरपंच प्रदीप साहू, पूर्णकालिक कार्यकर्ता रविन्द्र सिंह ठाकुर ने संबोधित किया। भविष्य में विमुक्त घुमन्तू और अर्द्धघुमन्तू कल्याण विभाग के साथ मिलकर इस जाति को स्वरोजगार की ओर अवसर उपलब्ध कराने के लिए काम करने का संकल्प लिया गया।

उद्यमिता पखवाड़ा के कार्यक्रम महाविद्यालयों में संपन्न

स्वावलंबी भारत अभियान के अंतर्गत आज बीटीआईआरटी महाविद्यालय, ज्ञान सागर, ज्ञानवीर में विश्व उद्यमिता दिवस के उपलक्ष्य में उद्यमिता पखवाड़ा का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता डॉ. कमलेश दुबे ने अपने विचार रखते हुए कहा कि छात्रों की चेतना को जगाने का विचार, क्रियान्वयन, मार्गदर्शक के रूप में स्वावलंबी अभियान सार्थक सिद्ध हुआ है। शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी साधक बना दिया जाने से स्थिति बेहद गंभीर बन चुकीं है। युवाओं को स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ना होगा। भारतीय अर्थव्यवस्था में सरकारी कर्मचारियों का योगदान शून्य है। भारत अगर सोने की चिड़िया रहा है उसका एकमात्र कारण स्वरोजगार ही रहा है। भारत में हर घर में स्वयं का स्वरोजगार स्थापित रहा है। भारत सरकार द्वारा स्टार्टअप के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही है। युवाओं को उनका लाभ लेकर आगे बढ़ना चाहिए। स्वावलंबी भारत अभियान प्रांत टोली के सदस्य कपिल मलैया ने कहा कि वर्तमान समय में छात्र-छात्रों में काबिलियत की कोई कमी नहीं है, उसे पहचानने और उन्हें मंच देने की जरूरत है। आज के समय में महिलाएं सिलाई, कढ़ाई, ब्यूटीशियन, सजावट की वस्तुएं, डेयरी उद्योग, सब्जी की खेती, बागवानी, पापड़ और आचार का उद्योग लगाकर अपने जीवन को स्वावलंबी बना रही हैं। इन उद्योगों में अपार संभावनाएं है। मेरा मानना है कि जीवन में सभी व्यक्ति को अपने स्तर से स्वरोजगार करना चाहिए। वर्तमान परिपेक्ष में युवा शक्ति की क्षमताओं का उपयोग करके ही देश का विकास तेजी से किया जा सकता है। इसके लिए युवाओं में विकेंद्रीकरण, उद्यमिता व स्वरोजगार और सहकारिता की भावना को जागृत करते हुए देश को विकास की श्रेणी में लाया जा सकता है। उद्यमिता पखवाड़ा का उद्देश्य सहकारिता, रोजगार एवं स्वावलंबन की प्राप्ति करना है। इस अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से प्रांत सहमंत्री सावन सिंह, इनक्यूबेशन सेंटर से कन्हैया कुमार रैकवार, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वीरेश, अनिल पाठक, रविन्द्र ठाकुर उपस्थित रहे । उद्यमिता पखवाड़ा कार्यक्रम में 250 से अधिक विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

तिली वार्ड में मोहल्ला विकास टीम का गठन सुनीता चौरसिया समन्वयक चुनी गईं

समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत के मार्गदर्शन में तिली वार्ड में विचार मोहल्ला विकास टीम का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से सुनीता चौरसिया को समन्वयक चुना गया।

तिली वार्ड में विचार समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत के मार्गदर्शन में विचार मोहल्ला विकास टीम का गठन किया गया। सर्वसम्मति से सुनीता चौरसिया को समन्वयक चुना गया। इस अवसर सुनीता अरिहंत ने महिलाओं को सम्बोधित करते हुए बताया कि विचार समिति निःस्वार्थ भाव से समाजहित के लिए कार्य कर रही है। आप भी इस कार्य से जुड़ें। हम सभी एक दूसरे के सहयोग से आगे बढ़ेंगे। हम सभी सामाजिक बुराइयों को दूर करेंगे। मोहल्ला विकास टीम बनाने का उदेश्य नागरिकों में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना बढ़ाना, जीवन में निर्णय विकास की दृष्टि को बढ़ाना, जागरूकता के साथ सभी के जीवन स्तर में सुधार लाना है। 100 घरों के एक समूह को एक मोहल्ले का नाम दिया जाता है। इन सभी घरों की जिम्मेदारी 11 सदस्यों की टीम लेती है। समिति की परियोजनाओं की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में 250 बच्चें लीफी चेंजमेकर्स फैलोशिप अभियान एवं स्कूल चले हम अभियान से जुड़े हुए हैं। यह बच्चे बेसिक शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। अतः स्कूल में पुनः वापिस दाखिला दिलाना है। स्वरोजगार के लिए गोमय परियोजना के अंतर्गत महिलाएं गोबर से बने दिए, शील्ड, माला, घड़ी एवं अन्य उत्पाद बनाकर स्वरोजगार प्राप्त कर रही है। हथकरघा से स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा मिल रहा है। महिलाएं एक निश्चित समय का प्रशिक्षण लेकर रोजगार प्राप्त कर रही है। समन्वयक सुनीता चौरसिया ने हर्ष व्यक्त करते हुए उपस्थित महिलाओं को विचार समिति की जानकारी दी। मोहल्ला विकास योजना विचार समिति की लोककल्याणकारी योजनाओं में से एक है। इस योजना का उद्देश्य बुंदेलखंड का सुनियोजित विकास करना है। टीमों में सामाजिक मुद्दों पर जागरूक करते हुए शिक्षा, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य, प्राकृतिक खेती, पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में 50 से अधिक महिलाएं उपस्थित थीं। सभी ने समिति की कार्यप्रणाली समझी एवं फार्म भरकर मोहल्ला विकास टीम का हिस्सा बनी।

क्वेस्ट एलायंस द्वारा एक दिवसीय परिचर्चा में महिला स्वरोजगार पर चर्चा

क्वेस्ट एलायंस एवं विचार समिति महिला स्वरोजगार पर एक साथ कार्य कर रही है जिसका लक्ष्य 21वीं सदी की आवश्यकताओं, सतत् विकास की अवधारणा को पूरा करना करना है। एक दिवसीय वर्चुअल बैठक में क्वेस्ट एलायंस कार्यक्रम सहयोगी पल्लवी मिश्रा एवं प्रांजल मिश्रा ने स्वरोजग़ार स्थापित करने वाली 7 महिलाओं के कार्य, अनुभवो को जाना, उनकी चुनौतियों को समझा। चार्जशीट पर उनके हिसाबी विवरण पर चर्चा, हानि एवं लाभों को समझ कर सुझाव दिए। आगामी प्रशिक्षण की आवश्यक्ताओं, समय प्रबधंन को ध्यान में रखते हुए तैयारियों पर विशेष ध्यान दिया।

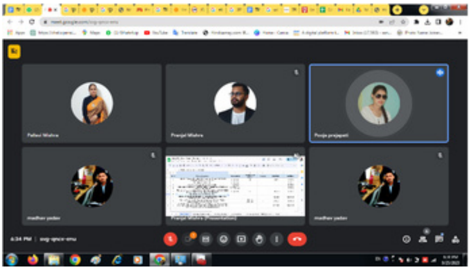

21वीं शताब्दी के कौशलों, वर्तमान परिपेक्ष्य में शैक्षणिक, आवश्यकताओं के अनुरूप कार्यविधि, अगले माह में प्रशिक्षण सत्र पर सहमति बनी। विचार समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने अपने विचार रखे। परियोजना सहयोगी पूजा प्रजापति ने सभी महिलाओं की जानकारी उपलब्ध करवाई।

लीफी चेंजमेकर्स फैलोशिप अभियान द्वारा निरंतर देखरेख में बच्चे सीख़ रहे अक्षर ज्ञान

स्कूल छोड़ने वाले आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को नई राह दिखाने के लिए “लीफी चेंजमेकर्स फैलोशिप अभियान”, स्कूल चले हम अभियान से 7 जगहों पर 250 बच्चे शिक्षा ले रहे हैं। 2 साल से युवा शिक्षक इस कार्य को पूर्ण लगन से कर रहे हैं। इन सभी बच्चों में व्यवहारिक बदलाव दिखाई देने लगे है। इंटनर्शिप कर रही आस्था जैन ने इन बच्चों से मुलाकात की। कक्षागत ब्यौरे की जानकारी देते हुए बताती है कि इन बच्चों से मिलकर लगा की लम्बे समय से पढ़ते आये है, शिक्षक और बच्चों का व्यवहार काफी सामजस्य पूर्ण था। बातचीत करने का तरीका, जो पूछा गया उसका उत्तर काफी उच्च स्तर का था।

सौम्या जैन ने सुझाव देते कहा मिश्रित भाषा के प्रयोग से बच्चे एक साथ दूसरी भाषा सीखते है। साथ ही बच्चों का ध्यान कक्षा से जोड़ना होगा।

मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर सागर 12-09-2023

वृक्षाबंधन : विचार समिति ने 5 साल पहले मंगलगिरी में 5000 पौधे रोपकर की थी पौधरोपण की शुरूआत, अब यहां 154 किस्म के 11000 पेड़ लहलहा रहे

वृक्ष मित्रों ने मंगलगिरी पहाड़ी पर 11000 पेड़ों को बांधे रक्षासूत्र

भास्कर संवाददाता | सागर

विचार समिति ने मंगलगिरी में पांचवी वर्षगांठ के उपलक्ष्य एवं रक्षाबंधन पर्व पर पेड़ों पर रक्षासूत्र बांधकर वृक्षाबंधन किया। समिति ने पौधरोपण अभियान की शुरुआत पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में 18 अगस्त 2018 को पहाड़ी क्षेत्र मंगलगिरी में 5000 पौधे लगाकर की थी। इसमें वृक्ष मित्रों ने परिवार के स्वर्गवासी सदस्यों की स्मृति में पौधे रोपित किए थे। इनके नाम की पट्टिका भी लगाई गई थी।

प्रथम वर्षगांठ पर 18 अगस्त 2019 को 2500 पौधे लगाए गए थे। 26 जून 2021 को स्व. आशारानी मलैया की स्मृति में मियावाकी पद्धति से 1500 पौधे लगाए थे। कई संस्थाओं द्वारा विभिन्न आयोजनों में 2000 से अधिक पौधे लगाए गए। इस तरह अब यहां 11000 से अधिक पौधे लहलहा रहे हैं। जिनकी देखरेख समिति स्वयं करती है।

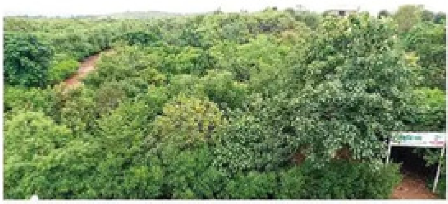

मंगलगिरी में 11000 पेड़ लहलहाने के बाद ऐसा नजारा बन गया है।

मंगलगिरी में पेड़ों पर रक्षासूत्र बांधते विचार समिति के सदस्य।

पहाड़ी पर रोपने के लिए अब नीम के 50 हजार पौधे तैयार किए जा रहे हैं

समिति के अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि मंगलगिरी में पौधे लगाने का उद्देश्य शहर में घटते पेड़ों की कमी को दूर करना है। प्लांटेशन में पौधे तो लगाए जाते हैं। लेकिन उनकी देखरेख नहीं की जाती। इससे वह मर जाते हैं। मंगलगिरी पूरा पहाड़ है। इसके आसपास एक भी पेड़ नहीं था। लेकिन लगातार पांच वर्षों के प्रयास से यहां जंगल जैसा नजारा बन गया है। यह जंगल प्राकृतिक सिद्धांतों पर बनाया गया है। जिसमें जैविक जीवामृत का उपयोग किया गया है। साढ़े चार हजार लीटर जीवामृत एक टैंकर में बनाया जाता है जो हर माह दो बार डाला जाता है। इस का कमाल यह हुआ कि यह बंजर भूमि उपजाऊ बन गई। पूरे समय यहां समिति की चार से पांच लोगों की टीम कार्य करती है। इसके अलावा नीम के 50 हजार पौधे भी तैयार किए जा रहे हैं। यहां पर 154 किस्म से ज्यादा के पेड़ लगे हैं।

मियावाकी पद्धति से लगाए गए पौधे दो साल में बने पेड़

मार्गदर्शक श्रीयांश जैन ने बताया कि मियावाकी पद्धति से किसी भी कॉलोनी में थोड़ी जगह में पेड़ लगाए जा सकते हैं। इससे उस कॉलोनी में एक आक्सीजन बैंक तैयार हो जाता है। मंगलगिरी में इस पद्धति से लगाए गए पौध दो वर्ष में ही 25-30 फीट के पेड़ हो गए। कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि कुछ लोग पेड़ों को काटने, वनों को खत्म करने और प्रदूषण के स्तर को बढ़ाने के बारे में नहीं सोचते। दूसरी तरफ ऐसे लोग भी हैं जो पर्यावरण के बारे में ध्यान रखते हैं और निःस्वार्थ भाव से काम कर रहे हैं। मुख्य संरक्षक नितिन पटैरिया ने कहा कि हम वास्तव में जीवित रहना चाहते हैं तो अधिक से अधिक पेड़ लगाए जाने चाहिए। मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया ने भी बात रखी।

दैनिक भास्कर सागर 06-09-2023

निताई प्ले स्कूल में हुई सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

सागर | विचार समिति द्वारा संचालित निताई प्ले स्कूल ग्राम मनेसिया में शिक्षक दिवस मनाया गया। इसमें समिति अध्यक्ष कपिल मलैया के मार्गदर्शन में कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने विद्यालय की शिक्षिकाओं का शाल, श्रीफल एवं माला पहनाकर सम्मान किया। प्राचार्य साक्षी दांगी ने शिक्षक दिवस की जानकारी बच्चों को दी। इस अवसर पर बच्चों ने भी शिक्षकों का श्रीफल से सम्मान किया। विद्यालय के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। छात्रा भूमिका, गौरवी, श्रेया ने नृत्य की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में रागनी राय, खुशबू चढ़ार आदि शिक्षिकाएं उपस्थित थीं। विचार समिति एवं लीफी द्वारा संचालित स्कूलों में भी शिक्षकों का सम्मान किया गया।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पास होने पर खुशी मनाई

सागर, आचरण संवाददाता।

लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत सीटें देने वाला महिला आरक्षण विधेयक (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) दोनों सदनों में पारित हुआ। इस उपलक्ष्य में विचार समिति द्वारा संचालित मोहल्ला विकास योजना के विभिन्न परिवारों में खुशी मनाई गई और जगह-जगह महिला सम्मेलन का आयोजन हुआ। महिलाओं ने प्रधानमंत्री को धन्यवाद देते हुए बताया कि अब महिलाओं को आगे लोकतंत्र में सीधे हिस्सेदारी मिलेगी। विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने इस विधेयक की जानकारी देते हुए बताया कि इसके लागू होने के बाद महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। नारी शक्ति का प्रतिनिधित्व और मजबूत होगा, वहीं इनके सशक्तिकरण के एक नए युग की शुरुआत होगी। कार्यक्रम में समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, समन्वयक आशा साहू, रचना पटैल तिलकगंज वार्ड, दीप्ति पटैल सदर, मंजू रैकवार गंगा मंदिर रानीपुरा, अंजना पटैल राजीवनगर पटैल मंदिर, ममता अहिरवार तुलसीनगर वार्ड आदि उपस्थित थीं।

मीडिया कवरेज

पेड़ों पर रक्षासूत्र बांधकर मनाया पांचवा वृक्षाबंधन

पांच वर्षों के प्रयास से बंजर भूमि भी उपजाऊ बन गई, 11000 से अधिक वृक्ष लहलहा रहे: कपिल मलैया

सागर, देशबन्धु। विचार समिति ने मंगलगिरी में पांचवी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एवं रक्षाबंधन के पावन पर्व पर पेड़ों पर रक्षासूत्र बांधकर वृक्षाबंधन किया। समिति ने वृक्षारोपण अभियान की शुरूआत पूर्व प्रधानमंत्री स्व.अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में 18 अगस्त 2018 को पहाड़ी क्षेत्र मंगलगिरी में 5000 पेड़ लगाकर की थी जिसमें वृक्षारोपण करने वाले वृक्ष मित्रों, परिवार के सदस्य एवं स्मृति स्वरूप स्वर्गवासी लोगों के नाम की स्मृति में पौधे रोपित किए गए थे, जिनके नाम की पट्टिका भी लगाई गई थी। प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर 2500 पौधे लगाए गए थे। 26 जून 2021 को स्व. आशारानी मलैया की स्मृति में मियाबाकी पद्धति द्वारा 1500 पौधे लगाए थे। कई संस्थाओं द्वारा विभिन्न आयोजनों के माध्यम से 2000 से अधिक पेड़ लगाये है अब वर्तमान में 11000 से अधिक वृक्ष लहलहा रहे हैं जिनकी देखरेख समिति स्वयं करती है। समिति के अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि मंगलगिरी में पेड़ लगाने का उद्देश्य शहरों में पेड़ों की कमी होती जा रही है। प्लांटेशन के लिए जो पेड़ लगाए जाते हैं वह पेड़ तो लगा देते हैं लेकिन उनकी देखरेख नहीं की जाती जिससे वह पेड़ मर जाते हैं। मंगलगिरी पूरा पहाड़ है इसके आसपास एक भी पेड़ नहीं था लेकिन लगातार पांच वर्षों के प्रयास से यह जंगल बनाया गया है। यह जंगल प्राकृतिक सिद्धांतों पर बनाया गया है। जिसमें जैविक जीवामृत का उपयोग किया गया है। पूरे समय यहां पर समिति की चार से पांच लोगों की टीम कार्य करती है। कुछ पौधे जो यहां लगाए गए हैं वह शहर में मिलते तक नहीं है। इसके अलावा नीम के 50 हजार पौधे भी तैयार किए जा रहे हैं। यहां पर 154 किस्म से ज्यादा के पेड़ लगे हुए हैं। वृक्षाबंधन में रोटरी क्लब, विधिक सेवा प्राधिकरण, अलायंस क्लब, अखिल भारतीय जैन महिला परिषद, गोला पूरब महासभा, धर्म रक्षा संगठन, राह फाउंडेशन, सीआरएस, जैन भ्रात संघ आदि समितियों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

सागर प्रदेश टुडे सागर, मंगलवार, 12 सितंबर 2023

पेड़ों पर रक्षासूत्र बांधकर मनाया पांचवा वृक्षाबंधन

पांच वर्षों के प्रयास से बंजर भूमि भी उपजाऊ बन गई, 11000 से अधिक वृक्ष लहलहा रहे : कपिल मलैया

प्रदेश टुडे संवाददाता, सागर

विचार समिति ने मंगलगिरी में पांचवी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एवं रक्षाबंधन के पावन पर्व पर पेड़ों पर रक्षासूत्र बांधकर वृक्षाबंधन किया। समिति ने वृक्षारोपण अभियान की शुरूआत पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में 18 अगस्त 2018 को पहाड़ी क्षेत्र मंगलगिरी में 5000 पेड़ लगाकर की थी जिसमें वृक्षारोपण करने वाले वृक्ष मित्रों, परिवार के सदस्य एवं स्मृति स्वरूप स्वर्गवासी लोगों के नाम की स्मृति में पौधे रोपित किए गए थे, जिनके नाम की पट्टिका भी लगाई गई थी। प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर 18 अगस्त 2019 को 2500 पौधे लगाए गए थे। 26 जून 2021 को स्व. श्रीमति आशारानी मलैया की स्मृति में मियावाकी पद्धति द्वारा 1500 पौधे लगाए थे। कई संस्थाओं द्वारा विभिन्न आयोजनों के माध्यम से 2000 से अधिक पेड़ लगाये है अब वर्तमान में 11000 से अधिक वृक्ष लहलहा रहे हैं जिनकी देखरेख समिति स्वयं करती है।

समिति के अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि मंगलगिरी में पेड़ लगाने का उद्देश्य शहरों में पेड़ों की कमी होती जा रही है। प्लांटेशन के लिए जो पेड़ लगाए जाते हैं वह पेड़ तो लगा देते हैं लेकिन उनकी देखरेख नहीं की जाती जिससे वह पेड़ मर जाते हैं। मंगलगिरी पूरा पहाड़ है इसके आसपास एक भी पेड़ नहीं था लेकिन लगातार पांच वर्षों के प्रयास से यह जंगल बनाया गया है। यह जंगल प्राकृतिक सिद्धांतों पर बनाया गया है। जिसमें जैविक जीवामृत का उपयोग किया गया है। साढ़े चार हजार लीटर जीवामृत एक टैंकर में बनाया जाता है जो हर माह में दो बार डाला जाता है। मार्गदर्शक श्रीयांश जैन ने मंगलगिरी में मियावाकी पद्धति से लगाए गए पेड़ों के बारे में बताया कि इस पद्धति से किसी भी कालोनी में थोड़ी जगह में पेड़ लगाये जा सकते हैं जिससे उस कालोनी में एक आक्सीजन बैंक तैयार हो जाता है। मंगलगिरी में इस पद्धति से लगाए गए पेड़ दो वर्ष में ही 25-30 फुट के पेड़ हो गए। इतना सघन जंगल बन गया है इसके अंदर जाने से ऐसा लगता है जैसे किसी घने जंगल में आ गए हों। यहां पर 28 किस्म के पेड़ लगे हुए हैं।

कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि कुछ लोग पेड़ों को काटने, धरती पर वनों को खत्म करने और प्रदूषण के स्तर को बढ़ाने के बारे में नहीं सोचते। दूसरी तरफ ऐसे लोग भी हैं जो पर्यावरण के बारे में ध्यान रखते हैं और निः स्वार्थ भाव से काम कर रहे हैं। वे पर्यावरण को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने के लिए पेड़ों का रोपण, जल निकायों और अन्य गतिविधियों की सफाई में शामिल हैं।

मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने कहा कि कोरोनाकाल ने पूरे विश्व को ऑक्सीजन का महत्व सिखाया। अगर हम वास्तव में जीवित रहना चाहते हैं और अच्छे जीवनयापन करना चाहते हैं तो अधिक से अधिक पेड़ लगाए जाने चाहिए।

मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया ने कहा कि समिति प्रति वर्ष वर्षा ऋतु में विशेष अभियान चलाकर लोगों को आमंत्रित कर सभी को इन वृक्षों के बीच ले जाते है और इस नव निर्मित वन के रखरखाव हेतु आग्रह करते या सुझाव आमंत्रित करते हैं। वृक्षाबंधन में रोटरी क्लब, विधिक सेवा प्राधिकरण, अलायंस क्लब, अखिल भारतीय जैन महिला परिषद, गोला पूरब महासभा, धर्म रक्षा संगठन, राह फाउंडेशन, सीआरएस, जैन भ्रात संघ आदि समितियों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

www.rajexpress.co राज एक्सप्रेस 10 खुरई-बंडा-देवरी-रहली-सुरखी सागर मंगलवार, 12 सितम्बर, 2023

विचार समिति ने मंगलगिरी में पेड़ों पर रक्षासूत्र बांधकर मनाया पांचवां वृक्षाबंधन

पांच वर्षों के प्रयास से बंजर भूमि भी अब उपजाऊ बन गई: कपिल मलैया

सागर ■ राज न्यूज नेटवर्क

विचार समीति ने मंगलगिरी में पांचवी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एवं रक्षाबंधन के पावन पर्व पर पेड़ों पर रक्षासूत्र बांधकर वृक्षाबंधन किया। समिति ने पौधरोपण अभियान की शुरुआत पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में 18 अगस्त 2018 को पहाड़ी क्षेत्र मंगलगिरी में 5000 पेड़ लगाकर की थी जिसमें पौधरोपण करने वाले वृक्ष मित्रों, परिवार के सदस्य एवं स्मृति स्वरूप स्वर्गवासी लोगों के नाम की स्मृति में पौधे रोपित किए गए थे जिनके नाम की पट्टिका भी लगाई गई थी। प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर 18 अगस्त 2019 को 2500 पौधे लगाए गए थे। 26 जून 2021 को स्व. आशारानी मलैया की स्मृति में मियाबाकी पद्धति द्वारा 1500 पौधे लगाए थे। कई संस्थाओं द्वारा विभिन्न आयोजनों के माध्यम से 2000 से अधिक पेड़ लगाये हैं अब वर्तमान में 11000 से अधिक वृक्ष लहलहा रहे हैं जिनकी देखरेख समिति स्वयं करती है।

समिति के अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि मंगलगिरी में पेड़ लगाने का उद्देश्य शहरों में पेड़ों की कमी होती जा रही है। प्लांटेशन के लिए जो पेड़ लगाए जाते हैं वह पेड़ तो लगा देते हैं लेकिन उनकी देखरेख नहीं की जाती जिससे वह पेड़ मर जाते हैं। मंगलगिरी पूरा पहाड़ है इसके आसपास एक भी पेड़ नहीं था लेकिन लगातार पांच वर्षों के प्रयास से यह जंगल बनाया गया है। यह जंगल प्राकृतिक सिद्धांतों पर बनाया गया है। जिसमें जैविक जीवामृत का उपयोग किया गया है। साढ़े चार हजार लीटर जीवामृत एक टैंकर में बनाया जाता है जो हर माह में दो बार डाला जाता है। उस जीवामृत का कमाल यह हुआ कि यह बंजर भूमि आज उपजाऊ बन गई। पूरे समय यहां पर समीति की चार से पांच लोगों की टीम कार्य करती है।

कुछ पौधे जो यहां लगाए गए हैं वह शहर में मिलते तक नहीं है। इसके अलावा नीम के 50 हजार पौधे भी तैयार किए जा रहे हैं। यहां पर 154 किस्म से ज्यादा के पेड़ लगे हुए हैं। वृक्षाबंधन में मार्गदर्शक श्रीयांश जैन, कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, मुख्य संगठक नितिन पटैरिया, मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया, रोटरी क्लब, विधिक सेवा प्राधिकरण, अलायंस क्लब, अखिल भारतीय जैन महिला परिषद, गोला पूर्व महासभा, धर्म रक्षा संगठन, राह फाउंडेशनए सीआरएस, जैन भ्रात संघ आदि समीतियों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

मीडिया कवरेज

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पास होने पर विचार समिति मोहल्ला विकास की महिलाओं ने खुशी मनाई

दैनिक जन चिंगारी/9302303212

सागर। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33% सीटें देने वाला महिला आरक्षण विधेयक (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) दोनों सदनों में पारित हुआ। इस उपलक्ष्य में विचार समिति द्वारा संचालित मोहल्ला विकास योजना के विभिन्न परिवारों में खुशी मनाई गई और जगह-जगह महिला सम्मेलन का आयोजन हुआ। महिलाओं ने प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद देते हुए बताया कि अब महिलाओं को आगे लोकतंत्र में सीधे हिस्सेदारी मिलेगी।

विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने इस विधेयक की जानकारी देते हुए बताया कि इसके लागू होने के बाद महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं में 33% आरक्षण मिलेगा। नारी शक्ति का प्रतिनिधित्व और मजबूत होगा, वहीं इनके सशक्तिकरण के एक नए युग की शुरुआत होगी। कार्यक्रम में समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, समन्वयक आशा साहू, रचना पटैल तिलकगंज वार्ड, दीप्ति पटैल सदर, मंजू रैकवार गंगा मंदिर रानीपुरा, अंजना पटैल राजीवनगर पटैल मंदिर, ममता अहिरवार तुलसीनगर वार्ड आदि उपस्थित थीं।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पास होने पर विचार समिति मोहल्ला विकास की महिलाओं ने खुशी मनाई

विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया महिलाओं को जानकारी देते हुए।

सागर | लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33% सीटें देने वाला महिला आरक्षण विधेयक (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) दोनों सदनों में पारित हुआ। इस उपलक्ष्य में विचार समिति द्वारा संचालित मोहल्ला विकास योजना के विभिन्न परिवारों में खुशी मनाई गई और जगह-जगह महिला सम्मेलन का आयोजन हुआ। महिलाओं ने बताया कि अब महिलाओं को लोकतंत्र में सीधे हिस्सेदारी मिलेगी। विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि इसके लागू होने के बाद महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं में 33% आरक्षण मिलेगा। नारी शक्ति का प्रतिनिधित्व और मजबूत होगा। वहीं इनके सशक्तिकरण के एक नए युग की शुरुआत होगी। कार्यक्रम में समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, समन्वयक आशा साहू, रचना पटैल, दीप्ति पटैल, मंजू रैकवार, अंजना पटैल, ममता अहिरवार आदि उपस्थित थीं।

कार्यक्रम... विचार समिति द्वारा संचालित निताई प्ले स्कूल में जन्माष्टमी मनाई गई

सागर | विचार समिति द्वारा संचालित निताई प्ले स्कूल मनेसिया में जन्माष्टमी मनाई गई। इस उपलक्ष्य में विभिन्न प्रतियोगिताओं में बच्चों ने मनोरम झांकियां प्रस्तुत कर सबका मन मोहा। कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया भारतीय संस्कृति में त्योहारों का बड़ा महत्व होता है। इसलिए सभी त्योहारों को मिल जुलकर मनाना चाहिए। प्राचार्य साक्षी दांगी ने कहा भगवान श्रीकृष्ण भारतीय ही नहीं बल्कि समस्त संसार के प्राणियों के प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम में रागनी राय, खुशबू चढ़ार आदि शिक्षक मौजूद थीं।

भोपाल, मंगलवार , 12 सितम्बर 2023 — राष्ट्रीय हिन्दी मेल

मंगलगिरी में पेड़ों पर रक्षासूत्र बांधकर मनाया पांचवा वृक्षाबंधन

पांच वर्षों के प्रयास से बंजर भूमि भी उपजाऊ बन गई, 11000 से अधिक वृक्ष लहलहा रहे : कपिल मलैया

सागर। विचार समिति ने मंगलगिरी में पांचवी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एवंर रक्षाबंधन के पावन पर्व पर पेड़ों पर रक्षासूत्र बांधकर वृक्षाबंधन किया। समिति ने वृक्षारोपण अभियान की शुरूआत पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में 18 अगस्त 2018 को पहाड़ी क्षेत्र मंगलगिरी में 5000 पेड़ लगाकर की थी जिसमें वृक्षारोपण करने वाले वृक्ष मित्रों, परिवार के सदस्य एवं स्मृति स्वरूप स्वर्गवासी लोगों के नाम की स्मृति में पौधे रोपित किए गए थे, जिनके नाम की पट्टिका भी लगाई गई थी। प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर 18 अगस्त 2019 को 2500 पौधे लगाए गए थे। 26 जून 2021 को स्व. श्रीमति आशारानी मलैया की स्मृति में मियावाकी पद्धति द्वारा 1500 पौधे लगाए थे। कई संस्थाओं द्वारा विभिन्न आयोजनों के माध्यम से 2000 से अधिक पेड़ लगाये है अब वर्तमान में 11000 से अधिक वृक्ष लहलहा रहे हैं जिनकी देखरेख समिति स्वयं करती है।

विचार समिति ने मंगलगिरी में पेड़ों पर रक्षासूत्र बांधकर मनाया पांचवा वृक्षाबंधन

पांच वर्षों के प्रयास से बंजर भूमि भी उपजाऊ बन गई

जन चिंगारी-जनेंद्र
सागर/9302303212

सागर। विचार समिति ने मंगलगिरी में पांचवी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एवंर रक्षाबंधन के पावन पर्व पर पेड़ों पर रक्षासूत्र बांधकर वृक्षाबंधन किया। समिति ने वृक्षारोपण अभियान की शुरूआत पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में 18 अगस्त 2018 को पहाड़ी क्षेत्र मंगलगिरी में 5000 पेड़ लगाकर की थी जिसमें वृक्षारोपण करने वाले वृक्ष मित्रों, परिवार के सदस्य एवं स्मृति स्वरूप स्वर्गवासी लोगों के नाम की स्मृति में पौधे रोपित किए गए थे, जिनके नाम की पट्टिका भी लगाई गई थी। प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर 18 अगस्त 2019 को 2500 पौधे लगाए गए थे। 26 जून 2021 को स्व. श्रीमति आशारानी मलैया की स्मृति में मियावाकी पद्धति द्वारा 1500 पौधे लगाए थे।

समिति के अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि मंगलगिरी में पेड़ लगाने का उद्देश्य शहरों में पेड़ों के लिए जो पेड़ लगाए जाते है वह पेड़ तो लगा देते है लेकिन उनकी देखरेख नहीं की जाती जिससे वह पेड़ मर जाते है। मंगलगिरी पूरा पहाड़ है इसके आसपास एक भी पेड़ नहीं था लेकिन लगातार पांच वर्षों के प्रयास से यह जंगल बनाया गया है। यह जंगल प्राकृतिक सिद्धांतों पर बनाया गया है। जिसमें जैविक जीवामृत का उपयोग किया गया है। साढ़े चार हजार लीटर जीवामृत एक टैंकर में बनाया जाता है जो हर माह में दो बार डाला जाता है। उस जीवामृत का कमाल यह हुआ कि यह बंजर भूमि आज उपजाऊ बन गई। पूरे समय यहां पर समिति की चार से पांच लोगों की टीम कार्य करती है। कुछ पौधे जो तक नहीं है। इसके अलावा नीम के 50 हजार पौधे भी तैयार किए जा रहे है। यहां पर 154 किस्म से ज्यादा के पेड़ लगे हुए है।

मार्गदर्शक श्रीयांश जैन ने बताया कि इस पद्धति से किसी भी कालोनी में थोड़ी जगह में पेड़ लगाये जा सकते है जिससे उस कालोनी में एक आक्सीजन बैंक तैयार हो जाता है। मंगलगिरी में इस पद्धति से लगाए गए पेड़ दो वर्ष में ही 25-30 फुट के पेड़ हो गए। इतना सघन जंगल बन गया है इसके अंदर जाने से ऐसा लगता है जैसे किसी घने जंगल में आ गए हों। यहां पर 28 किस्म के पेड़ लगे हुए है। इस तरह का मियावाकी शहर में अलग-अलग जगह बनाएं। पांच से 10 हजार

हमारे सहयोगी

O.P. Jindal Global University
A Private University Promoting Public Service

TISS
Tata Institute Of Social Sciences

UPES
UNIVERSITY OF THE FUTURE

BHU
Banaras Hindu University

QUEST ALLIANCE

Goodera

ConnectAID
The International Solidarity Network

learning initiatives for india

meraadhikar
one nation. one platform

Lyvefresh®

TechPose

BENNETT UNIVERSITY
TIMES OF INDIA GROUP

ACADEMIA FOR SUSTAINABLE DEVELOPMENT

POLICY RESEARCH FOUNDATION
PRF

NCD NAVJIVAN CENTER FOR DEVELOPMENT
We Design Your Growth Story

danamojo
experience the magic of giving

IIMT
GROUP OF COLLEGES
Greater Noida • Meerut
— Aim For Excellence —

Dr. H.S. Gour University
Sagar [M.P.]

THE ART OF LIVING®

Rotary
Club of Sagar

STEP-AHEAD
Fellowship
Preparation-Support
MGNF, Gandhi Fellow, Urban Fellow, SBI Youth, TFI etc.

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT
ROHTAK

भारत विकास परिषद
Bharat Vikas Parishad
Sagar [M.P.]

ISRN

Edu-Vitae
Services
JOIN! LEARN! ACHIEVE!

India is Us!
i2u Social Foundation

संजीवनी बाल आश्रम

For HER Foundation
Hygiene | Empowerment | Respect

विचार समिति
(स्थापना वर्ष 2003)

निवेदन

आपसे निवेदन है कि अधिक से अधिक मात्र में दान देकर इस मुहिम को आगे बढाने में सहयोग करें ।
दान राशि बैंक खाते में डालने हेतू जानकारी इस प्रकार है ।

Bank - State Bank of India
Bank A/c Name - Vichar Samiti
Account No. - 37941791894
IFSC Code - SBIN0000475

Paytm/Phonepe/Googlepay आदि से दान करने के लिए QR कोड को स्कैन करे ।

cfpay.dmvicharsamiti@icici

-: संपर्क :-

+91 95757 37475
linkedin.com/in/vichar-samiti
samiti.vichar@gmail.com
www.vicharsamiti.in
Sagar, Madhya Pradesh India

संपादक - आकांक्षा मलैया, प्रबंधक व प्रकाशक - विचार समिति, स्वामित्व - विचार समिति, 258/1, मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड, आदिनाथ कार्स प्रा.लि. के पीछे, सागर (म.प्र.), पिन-470002
मुद्रण - तरूण कुमार सिंघई, अरिहंत ऑफसेट, पारस कोल्ड स्टोरेज, बताशा गली, रामपुरा वार्ड, सागर